GENERAL STUDIES (Module – 1)

निर्धारित समय: तीन घंटे *Time allowed: Three Hours*	DTVF/19 (N-M)–M–**GS11**	अधिकतम अंक: 250 *Maximum Marks: 250*

Name: Ravi Gangwar **Mobile Number:** _____

Medium (English/Hindi): Hindi **Reg. Number:** AINAKE-19/6002

Center & Date: Mukherjee Nagar, 10/8/19 **UPSC Roll No.** *(If allotted)*: 0801337

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:
इसमें बीस प्रश्न हैं तथा हिन्दी और अंग्रेज़ी दोनों में छपे हैं।
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।
प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।
प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:
*There are **TWENTY** questions printed both in **HINDI** and in **ENGLISH**.*
All the questions are compulsory.
The number of marks carried by a question is indicated against it.
Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.
Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.
Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

केवल मूल्यांकनकर्त्ता द्वारा भरा जाए *(To be filled by Evaluator only)*

Question Number	Marks	Question Number	Marks
1.		11.	
2.		12.	
3.		13.	
4.		14.	
5.		15.	
6.		16.	
7.		17.	
8.		18.	
9.		19.	
10.		20.	
Grand Total (सकल योग)			

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

1. भारत में आतंकी वित्तपोषण तथा धनशोधन का सामना करने में वित्तीय कार्रवाई कार्य-बल (एफ.ए.टी.एफ.) की भूमिका पर चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

Discuss the role of Financial Action Task Force (FATF) in combating terror financing and money laundering in India. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

वित्तीय कार्रवाई कार्य-बल एक सरकारी संगठन है जिसका कार्य विभिन्न राष्ट्रों की आतंकी वित्तपोषण, धन शोधन जैसी गतिविधियों में संलिप्तता की निगरानी करना है और इसके लिए यह विभिन्न निगरानी सूची जारी करता है।

वैश्विक परिदृश्य में आज आतंकवाद की समस्या वृहद रूप धारण कर चुकी है, जिसके प्रमुख कारणों में इसे सर्वेच्च स्रोतों से प्राप्त धन तथा हथियार हैं और FATF मुख्यतः इन्हीं स्रोतों पर लगाम लगाने हेतु निर्मित किया गया है।

वस्तुतः FATF द्वारा निगरानी

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

सूची में (ग्रे लिस्ट) डाले गये देश की छवि तो प्रभावित होती ही है, साथ ही उसका नैतिक, आर्थिक बहिष्कार भी किया जा सकता है।

यह बल द्वारा निगरानी सूची में डालने से देश को विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं से ऋण प्राप्ति में कठिनाई होती है तो अन्य देशों द्वारा भी मदद पर नियंत्रण लगाया जाता है जिसके चलते देश को अपनी आतंकी वित्तपोषण सम्बन्धी गतिविधियों को रोकने हेतु विवश होना पड़ता है।

हाल ही में पाकिस्तान को इस सूची में शामिल किये जाने के बाद इसके द्वारा विभिन्न प्रकार की आर्थिक कठिनाईयों का सामना किया जा रहा है जो इस बल की सार्थकता को सिद्ध करता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

2. भारत में सार्वभौमिक बुनियादी आय (यू.बी.आई.) व्यवहार्य है क्योंकि इसे अपेक्षाकृत निम्न आय स्तर पर नियत करने पर भी व्यापक स्तर पर लाभ संभव है। परीक्षण कीजिये। (150 शब्द) 10

In India, Universal Basic Income (UBI) is feasible because it can be pegged at relatively low levels of income but still yield immense welfare gains. Examine. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

सार्वभौमिक बुनियादी आय (UBI) के तहत बिना किसी भेदभाव के देश के प्रत्येक नागरिक को आय का एक निश्चित स्तर का स्रोत प्रदान किया जायेगा। सिक्किम राज्य में यह लागू हो चुका है।

वस्तुतः यूबीआई द्वारा निम्न लाभ होंगे -

i) इसके जरिये गरीबी के स्तर को कम करने में मदद मिलेगी।

ii) आय के निश्चित स्तर के होने के चलते मनुष्यों को स्वास्थ्य, पोषण संबंधी न्यूनतम आवश्यकता की पूर्ति भी होगी जो समग्र सामाजिक लाभ प्रदान करेगा

iii) इसके द्वारा अर्थव्यवस्था में निवेश की मांग भी बढ़ेगी क्योंकि जब उपभोग में वृद्धि होगी तो निवेश हेतु पूँजी का सृजन भी होगा।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

नकारात्मक पक्ष: i) इसके द्वारा लोगों में प्रकर्मण्यता का प्रसार हो सकता है।

ii) निश्चित मात्रा में सबको धन मिलने से, श्रम के क्षेत्र में विशेषकर असंगठित क्षेत्र में महँगाई की प्रवृति देखी जा सकेगी।

iii) लोगों द्वारा इस माध्य का दुरुपयोग विभिन्न मादक पदार्थों, जुआ आदि में भी किया जा सकता है।

iv) इसके द्वारा लाभार्थी की पहचान, भुगतान के स्तर पर भ्रष्टाचार के बढ़ने की भी सम्भावना है। इसे अवास योजना के तहत समझा जा सकता है।

इस प्रकार बुनियादी आय योजना के कई सकारात्मक लाभ होने के बावजूद इसका लागू होना कठिन है। हालांकि इसकी जगह पर रोजगार सृजन, कौशल विकास द्वारा आदि उपायों से भी लोगों की आवश्यकताएँ पूरी की जा सकती हैं।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright Drishti The Vision Foundation

3. प्रभावी सीमा प्रबंधन में प्रौद्योगिकी किस प्रकार भूमिका निभा सकती है, स्पष्ट कीजिये। (150 शब्द) 10

Explain how technology can play a role in effective border management. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

प्रभावी सीमा प्रबंधन किसी भी देश की आंतरिक तथा बाह्य सुरक्षा का एक महत्वपूर्ण घटक होता है। भारत के सन्दर्भ में जब पकिस्तान & चीन जैसे पड़ोसी हों तो सीमा प्रबन्धन का महत्व अपने आप बढ़ जाता है।

भारत जैसे देश जहाँ सीमा की भौगोलिक स्थिति अत्यन्त विषम है कहीं नदी, पहाड़, रेगिस्तान, ऊबड़ खाबड़ जमीन तो कहीं जंगल विद्यमान हैं जिसके चलते सीमा प्रबन्धन का कार्य मानव के द्वारा प्रत्यक्ष रूप से करना मुश्किल है।

प्रौद्योगिकी की भूमिका :- 1) प्रौद्योगिकी के तहत नाइट विजन कैमरे, उपग्रह आधारित निगरानी द्वारा 24×7 का सर्विलांस

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

सम्भव हो पाता है।

ii) लेजर सिस्टम, मोशन डिटेक्टर आदि के द्वारा सीमा पर प्रत्येक हलचल की निगरानी की जा सकेगी।

iii) सीमा पर गश्त के दौरान होने वाली अप्राकृतिक मौतों को भी कम किया जा सकेगा।

iv) ड्रोन द्वारा निरीक्षण बढ़ाने पर सीमा पर भौगोलिक स्थितियों की कठिनता के बावजूद भी प्रभावी तरीके से निगरानी सम्भव हो सकेगी।

वस्तुतः प्रौद्योगिकी द्वारा सीमा प्रबंधन के कार्य में काफी हद तक पूर्णता लायी जा सकती है जैसे कि इजरायल द्वारा घुसपैठ व आंतरिक सुरक्षा के मद्देनजर पूरे देश की सीमा को इलेक्ट्रानिकली सर्विलांस के तहत लिया गया है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

4. राष्ट्रीय बायोफार्मा मिशन के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए भारत के स्वास्थ्य मानकों में परिवर्तन की इसकी क्षमता पर चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

Highlighting the objectives of the National Biopharma Mission, discuss its potential in transforming the health standards of India. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

राष्ट्रीय बायोफार्मा मिशन का संचालन BIRAC द्वारा किया जा रहा है तथा यह स्वास्थ्य तथा औषधि के क्षेत्र में भारत की आत्मनिर्भरता को सुनिश्चित करने के उद्देश्य को लेकर परिचालित है।

उद्देश्य :- i) इसका प्रमुख उद्देश्य विभिन्न प्रकार की जेनेरिक दवाईयों के निर्माण को प्रोत्साहित करना है ताकि स्वास्थ्य के क्षेत्र में ज्यादा समस्याओं का सामना न करना पड़े।

ii) बायोफार्मा के क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देना ताकि विदेशी निर्भरता को कम किया जा सके।

iii) इसके तहत निर्मित विभिन्न औषधियों के निर्यात पर भी बल दिया

Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उपयोग |

राष्ट्रीय बायोफार्मा मिशन के द्वारा भारतीय स्वास्थ्य क्षेत्र की हालत में काफी सुधार होगा। वस्तुतः निर्धनता, तकनीकी अकुशलता आदि के चलते जिन दवाओं की कमी से लोगों की मृत्यु होती थी अब ऐसा नहीं होगा। और विभिन्न प्रकार के टीकों, दवाओं के निर्यात से अफ्रीका के राष्ट्रों में भी स्वास्थ्य सुरक्षा को सुनिश्चित किया जा सकेगा।

वस्तुतः राष्ट्रीय बायोफार्मा मिशन न केवल भारतीय स्वास्थ्य क्षेत्र की हालत में सुधार करेगा, बल्कि इसके द्वारा भारतीय अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाला अनावश्यक बोझ कम होगा तो वहीं अनुसंधान & विकास द्वारा प्रगति के अवसर भी खोले जायेंगे।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

5. कृत्रिम बुद्धिमत्ता (ए.आई.) भूमिका परिवर्तन का कारण बनेगी, ज़रूरी नहीं कि रोज़गार हानि का कारण बने। टिप्पणी कीजिये। (150 शब्द) 10

Artificial Intelligence (AI) will cause role changes, not necessarily job losses. Comment. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

तकनीक तथा सूचनाओं के उपयोग द्वारा मशीनों द्वारा मानवों की तरह सोचना, निर्णयन, नेतृत्व आदि क्षमताओं का विकास ही कृत्रिम बुद्धिमत्ता की श्रेणी में आता है।

औद्योगिक क्रान्ति के चतुर्थ पीढ़ी में कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित उद्योगों की स्थापना की जायेगी जिसके चलते उत्पादन में कुशलता आयेगी तो खतरनाक उद्योगों में मानव हानि को कम किया जा सकेगा तो वहीं इसके जरिये कठिन कार्यों को काफी सरलता से किया जा सकेगा।

जैसे कि अभी कई उद्योगों द्वारा इसके जरिये नेविगेशन, चैटबॉट आदि का प्रयोग मानव हित में किया

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

जा रहा है।

दूसरी तरफ कुछ लोग इसको रोजगार हानि का कारण भी बता रहे हैं। वस्तुतः जब AI आधारित मशीनें उत्पादन को अधिक कुशल तरीके से करेंगी तो अकुशल श्रमिकों की नौकरियों पर खतरा तो आयेगा ही। इसी प्रकार इन मशीनों को सामाजिक सुरक्षा, वेतन सम्बन्धी प्रावधानों की भी आवश्यकता नहीं होगी जो उद्योगों को श्रमिकों की बजाय इनके प्रयोग को प्रोत्साहित करेगा।

इस प्रकार AI का प्रयोग कुछ क्षेत्रों में रोजगार की कमी की वजह बन सकता है किन्तु खतरनाक प्रयोगों, गरिमाविहीन कार्यों (मैला ढोना) में इसकी महत्ता आसानी से समझी जा सकती है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

6. भारत में मेथनॉल आधारित अर्थव्यवस्था के महत्त्व की विवेचना कीजिये। इसकी क्षमता के दोहन में शामिल चुनौतियाँ क्या हैं? (150 शब्द) 10

Discuss the significance of methanol based economy for India. What are the challenges involved in tapping its potential? (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

मेथेनॉल आधारित अर्थव्यवस्था के तहत जैव ईंधन (जैसे कि बायोफ्यूल, एथेनाल) का प्रयोग पेट्रोल, डीजल के साथ करके न केवल प्रदूषण की मात्रा को कम किया जायेगा, बल्कि आर्थिक रूप से यह वहनीय भी होगा।

महत्व :- i) इसका सर्वप्रमुख महत्व है कि भारत द्वारा पेट्रोलियम आयात पर निर्भरता कम हो जायेगी

ii) मेथेनॉल द्वारा मिश्रित ईंधन से अपेक्षाकृत कम प्रदूषण फैलता है।

iii) मेथेनॉल उत्पादन के क्रम में विभिन्न प्रकार के अपशिष्टों का पुनः उपयोग किया जायेगा जिससे कचरे की समस्या पर भी नियंत्रण होगा।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

iv) जैव ईंधन हेतु जट्रोफा, शैवालों आदि की खेती से कृषकों की आय भी बढ़ेगी। जिससे 2022 तक किसानों की आय दुगुनी करने में भी सहायता मिलेगी।

चुनौतियाँ :- i) मेथेनाल आधारित अर्थव्यवस्था के निर्माण हेतु अभी तकनीकी कुशलता का अपेक्षित स्तर प्राप्त नहीं हुआ है

ii) इसके जरिये प्रदूषण कम होता है, किन्तु "जीरो" नहीं। नवीकरणीय ऊर्जा के अन्य साधन जैसे- सौर, पवन आदि में यह समस्या नहीं है।

iii) इसके सम्बन्ध में उचित जागरूकता का अभाव भी देखा जा रहा है।

iv) मेथेनाल आधारित अर्थव्यवस्था के क्रम में अभी 10% मिश्रण की इजाजत है, जिसे बढ़ाये जाने की जरूरत है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

7. भारत की शीतलन कार्य-योजना (आई.सी.ए.पी.) की शुरुआत भावी शीतलन आवश्यकताओं को संबोधित करने हेतु एक साहसिक प्रतिक्रिया क्यों है? स्पष्ट कीजिये। (150 शब्द) 10

Explain why the launch of the India Cooling Action Plan (ICAP) is a bold response to addressing India's future cooling needs? (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

शीतलन कार्य योजना को लागू करने वाला भारत विश्व का पहला देश है। इसके तहत शीतलन की बढ़ती माँग तथा आपूर्ति के बीच के अन्तर को कम करने की कोशिश की जायेगी।

भारतीय समाज में निरन्तर शहरीकरण की प्रवृत्ति बढ़ रही है, तो मध्यवर्ग का आकार भी बढ़ रहा है, जिसके कारण शीतलन संबंधी आवश्यकताएँ यथा फ्रिज, कूलर, एसी आदि की माँग भी बढ़ रही है और दूसरी तरफ जलवायु परिवर्तन के चलते न केवल मौसम में ज्यादा कठोरता आ रही है बल्कि इस शीतलन आवश्यक

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

ता की पूर्ति हेतु हम जैव ईंधन, तकनीकी अकुशल उपकरणों का भी प्रयोग नहीं कर सकते हैं।

इसी वजह से शीतलन कार्ययोजना में सरकार द्वारा एक तरफ शीतलन हेतु आवश्यक पूर्ति बढ़ाने का फैसला लिया है तो दूसरी तरफ तकनीकी कुशलता को बढ़ाने का भी ~~फैसला~~ उद्देश्य निर्धारित किया है।

वस्तुतः कूलिंग एक्शन प्लान एक अर्थ में सार्थक प्रक्रिया है क्योंकि जहाँ एक तरफ भारत की मूलभूत आवश्यकताओं जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य के क्षेत्र में अभी स्थिति बहुत अच्छी नहीं है और यहाँ विलासिता पर कार्ययोजना का निर्माण हुआ है किन्तु जलवायु परिवर्तन को देखते हुए यह भी एक आवश्यक कदम था जो उठाना जरूरी था।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

8. आपदा जोखिम न्यूनीकरण सामाजिक व आर्थिक विकास का एक अभिन्न अंग है तथा यह दीर्घकालिक विकास हेतु आवश्यक है। हाल ही में भारत में आई प्राकृतिक आपदाओं को ध्यान में रखते हुए चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

Disaster risk reduction is an integral part of social and economic development, and is essential if development is to be sustainable. Discuss in view of the recent natural disasters in India. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

आपदा जोखिम न्यूनीकरण के द्वारा हम आपदा के द्वारा होने वाला नुकसान को कम करते हैं तथा इसमें अन्तर्गत आपदा पूर्व तैयारियाँ, आपदा के दौरान राहत कार्य तथा आपदा के पश्चात की रणनीति शामिल होती है।

आपदाओं द्वारा किसी भी देश की भौतिक, आर्थिक परिसंपत्ति का नुकसान किया जाता है जैसे कि हाल ही में भारत में कुछ जगह सूखा तथा कुछ जगह बाढ़ की त्रासदी का अनुभव किया जा रहा है जिसके चलते न केवल लोगों को विस्थापन का शिकार होना पड़ रहा है बल्कि जन-धन की हानि भी हो रही है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

इस प्रकार की आपदाओं से निपटने हेतु विकास प्रक्रिया का समावेशी तथा संधारणीय होना बहुत जरूरी है क्योंकि यदि अवसंरचनात्मक स्तर पर तैयारी यदि मजबूत है तो आपदा पूर्व की तैयारी हो जाती है वही आपदा के दौरान लोगों द्वारा एक दूसरे की सहायता करना, उन तक सरकार द्वारा राहत या आसानी से पहुँचाना यह सब तभी सम्भव होगा जब सामाजिक, आर्थिक व सांस्कृतिक स्तर पर विकास की प्रक्रिया समावेशी एवं विकास होगी।

वस्तुतः आपदाओं का आना तो नियत है और इनसे भागने की बजाय हमें इनका सामना करने हेतु रणनीतियों को बनाना चाहिए ताकि प्राकृतिक संतुलन एवं मानव विकास साथ-साथ चल सके।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

9. हरित वित्तपोषित पारिस्थितिकी का विकास एवं अनुसरण भारत के हित में है। स्पष्ट कीजिये। (150 शब्द) 10

It is in India's interest to develop and pursue a strong green financing ecosystem. Elucidate. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

हरित वित्तपोषित पारिस्थितिकी के तहत विभिन्न प्रकार की आर्थिक, औद्योगिक, सामाजिक, सांस्कृतिक प्रक्रियाओं का न केवल प्रकृति के हित में होना चाहिए बल्कि इनके द्वारा प्रकृति में किया गया हस्तक्षेप न्यूनतम तथा प्रकृति में उत्क्रमणीय होना चाहिए।

इस प्रकार की पारिस्थितिकी का विकास एवं अनुसरण केवल भारत के हित में ही नहीं अपितु सम्पूर्ण विश्व के हित में होगा। वस्तुतः आज के जलवायु परिवर्तन के दौर में जहाँ विभिन्न प्रकार की समस्याओं का सामना किया जा रहा है जैसे कि ग्लोबल वार्मिंग, मरुस्थलीकरण, प्रदूषण, सूखा, बाढ़, महामारी आदि।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

हरित वित्तपोषित प्रौद्योगिकी द्वारा प्रकृति का संधारणीय तरीके से उपयोग किया जाता है जिसके चलते इसके संसाधनों का इस्तेमाल मानव के संधारणीय तथा समावेशी विकास में किया जाता है और इसके द्वारा प्रकृति में एक नियोजित, अपेक्षित एवं जरूरी हस्तक्षेप ही किया जाता है जो कि प्राकृतिक तौर पर अधिक उपयुक्त होता है।

इस प्रकार स्पष्ट है कि हरित वित्तपोषित पारिस्थितिकी आधुनिक युग की एक जरूरत बन चुकी है। जिसके द्वारा न केवल जलवायु परिवर्तन सम्बन्धी समस्याओं को हल किया जा सकता है अपितु विकासात्मक प्रक्रियाओं को संधारणीय एवं दीर्घकालीन भी बनाया जा सकता है।

www.drishtiias.com,
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

10. भारतीय अर्थव्यवस्था औद्योगिक उत्पादन और सेवा क्षेत्र से अधिक एक सुदृढ़ ग्रामीण एवं कृषि संवृद्धि पर निर्भर करती है। पुष्टि कीजिये। (150 शब्द) 10

Indian economy depends on a robust rural and agricultural growth more than industrial production and service sector. Substantiate. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उदारीकरण के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था का स्वरूप एक सेवा प्रधान अर्थव्यवस्था के रूप में आया तथा इसके चलते कृषि क्षेत्र अपनी वास्तविक प्रगति नहीं कर पाया।

वस्तुतः भारतीय अर्थव्यवस्था में औद्योगिक क्षेत्र तथा सेवा क्षेत्र का योगदान 70% से भी अधिक है जबकि कृषि का योगदान लगभग 24% के आस-पास है जिसके कारण भारतीय अर्थव्यवस्था पर सेवा क्षेत्र तथा उद्योगों की प्रगति का बहुत फर्क पड़ता है।

किन्तु अगर कृषि क्षेत्र पर निर्भर आबादी की बात की जाये तो लगभग 56% आबादी इसके अन्तर्गत शामिल है जिसमें ज्यादातर ग्रामीण

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

है। अर्थात् भारतीय अर्थव्यवस्था में रोजगार तथा खपत की दृष्टि से कृषि क्षेत्र का स्थान सबसे महत्वपूर्ण है।

यह बात इस तथ्य से भी पुष्ट होती है कि भारतीय समाज जब मुगलकाल में विश्व अर्थव्यवस्था में 24% का योगदान देकर शीर्ष पर था तब भी यहाँ की अर्थव्यवस्था का आधार कृषि क्षेत्र एवं ग्रामीण लोग थे। जिनकी बदौलत से उत्पादन तथा व्यापार को बढ़ावा ~~मिलता~~ था।

निष्कर्षतः भारतीय अर्थव्यवस्था इस समय भले ही सेवा क्षेत्र पर आश्रित हो किन्तु यदि हमें विकास को सतत् व संधारणीय बनाना है तो भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ "कृषि क्षेत्र" की दशा सुधारने हेतु प्रयास करने ही होंगे।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

11. बैंकों के विलय संबंधी सरकार की कार्यवाही से तात्कालिक लाभ प्राप्त हो सकता है, परंतु इससे प्रमुख प्रणालीगत चुनौतियाँ अनिर्णीत रह जाती हैं। हाल में हुए बैंकों के विलय के आलोक में चर्चा कीजिये। (250 शब्द) 15

The government's move to amalgamate banks may have immediate gains but leaves key systemic challenges unresolved. Discuss in view of the recent bank mergers. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

हाल ही में बैंक ऑफ बड़ौदा, देना बैंक, विजया बैंक का विलय किया गया, जिसके पीछे मुख्य वजह बढ़ती गैर-निष्पादक परिसंपत्तियों (NPA) का बेहतर प्रबन्धन करना बताया गया।

विलय से लाभ :- i) बैंको का आकार बढ़ने से उनकी स्थिरता तथा विश्वसनीयता में वृद्धि होती है।

ii) तुलन पत्र में सुधार होता है।

iii) कार्यबल बढ़ने से तथा क्षेत्र विस्तार होने से वित्तीय समावेशन की प्रक्रिया को लाभ पहुँचता है।

iv) प्रणालीगत कार्यकुशलता बढ़ती है तथा विभिन्न बैंकों की कार्यप्रणाली में एकरूपता आने से आम जन को सहूलियत होती है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

v) पूँजी का आधार बढ़ने से ऋण वितरण में वृद्धि होती है।

उपर्युक्त तात्कालिक प्रभावों के बावजूद निम्न नकारात्मक प्रभाव भी पड़ते हैं:-

i) बैंकों के विलय से कर्मचारी स्तर पर प्रशिक्षण, परिचालन आदि की समस्या तथा उनकी छँटनी का कार्य, जिससे बेरोजगारी में वृद्धि होगी।

ii) इसी प्रकार फायदे में चल रही बैंक के लाभ में घाटे में चल रही बैंक की वजह से कमी आयेगी

iii) शाखाओं के क्षेत्र में दोहरीकरण से अनेक शाखाओं को बन्द किया जायेगा जो कि लोगों की बैंक तक पहुँच सीमित करेगा।

वस्तुतः उपर्युक्त विश्लेषण द्वारा यह स्पष्ट है कि बैंकों का विलय एक पक्षीय प्रक्रिया न होकर

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

बहुपक्षीय मुद्दा है, जिसके लाभ हैं तो हानियाँ भी हैं। वस्तुतः भारतीय बैंकों का मुख्य उद्देश्य ऋण वितरण न होकर वित्तीय समावेशन था जो उद्देश्य इस विलय की प्रक्रिया के चलते प्रभावित होता है। वहीं विलय के कारण विभिन्न बैंकों में आपसी समन्वय स्थापित करने में भी काफी समय लगेगा जिसके चलते प्रणाली गत समस्यायें भी लोगों के सम्मुख आयेंगी।

बैंकों का विलय भारतीय अर्थव्यवस्था के सन्दर्भ में एक उचित कार्यवाही तो है किन्तु इसके विभिन्न नकारात्मक पक्षों पर भी गौर करना चाहिए ताकि इसके द्वारा वित्तीय समावेशन जैसी महत्वपूर्ण प्रक्रिया बिना किसी रुकावट के चल सके।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

12. भारत की नागरिक एवं सैन्य अंतरिक्ष आवश्यकताओं के मध्य अंतर चयन की अपेक्षा अनिवार्यता की देन है। मिशन शक्ति के संदर्भ में स्पष्ट कीजिये। (250 शब्द) 15

India's distinction between civilian and military space requirements are borne out of necessity rather than choice. Explain in context of Mission Shakti. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

हाल ही में भारत द्वारा एंटी-सैटेलाइट मिसाइल का परीक्षण किया गया और इसके साथ ही भारत, अमेरिका, रूस, चीन के समूह में शामिल हो गया। इस कार्रवाई को मिशन शक्ति नाम दिया गया।

आधुनिक युग में जहाँ अंतरिक्ष का उपयोग विभिन्न प्रकार की नागरिक आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु किया जा रहा है तो अंतरिक्ष का सैन्यीकरण करना एक चिंताजनक मुद्दा बन जाता है।

वस्तुतः अमेरिका, रूस, चीन आदि देशों द्वारा न केवल विभिन्न जासूसी उपग्रहों को भेजा गया है बल्कि एंटी सैटेलाइट हथियारों का

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

भी परीक्षण किया जा चुका है जिसके चलते अब ये देश सत्य किसी भी देश पर अंतरिक्ष से निगरानी रख सकते हैं।

भारत द्वारा अंतरिक्ष में प्रक्षेपित किये जाने वाले उपग्रह नागरिक आवश्यकताओं जैसे कि रिमोट सेंसिंग उपग्रह, संचार उपग्रह आदि की पूर्ति हेतु ही भेजे जाते थे। किन्तु जब इन देशों द्वारा अंतरिक्ष युद्ध के रूप में युद्ध के चौथे मोर्चे की संकल्पना दी गयी तो भारत को भी मजबूरी वश इस दिशा में कदम उठाना पड़ा।

इसी के चलते भारत द्वारा भी विभिन्न सैन्य आवश्यकताओं से परिचालित उपग्रहों जैसे - GSAT-7A, GSAT-7 आदि को अंतरिक्ष में भेजा

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

गया तथा एंटी सेटेलाइट परीक्षण करना पड़ा ताकि जरूरत पड़ने पर विभिन्न देशों की सेटेलाइटों को नष्ट किया जा सके।

वस्तुतः इस प्रकार के प्रशिक्षण द्वारा भारत ने यह जता दिया है कि भारत भी अब अपनी सुरक्षा के लिए अंतरिक्ष में भी युद्ध करने में सक्षम है तो इस तकनीक का प्रयोग बहुउद्देशीय भी है।

इस प्रकार यह कहा जा सकता है कि भारत द्वारा अंतरिक्ष का नागरिक के साथ सैन्य आवश्यकता हेतु उपयोग किसी मजबूरी का नतीजा नहीं, बल्कि विभिन्न देशों की तरफ से आसन्न खतरे के चलते, राष्ट्रीय सुरक्षा की तैयारियों का नतीजा है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

13. खाद्य प्रसंस्करण उद्योग में भारत के ग्रामीण संकट को सुगमता प्रदान करने की क्षमता है। समालोचनात्मक टिप्पणी कीजिये। (250 शब्द) 15

Food processing industry has the potential to ease rural distress in India. Critically comment. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के तहत विभिन्न खाद्य पदार्थों को प्रसंस्करण के द्वारा इनकी आयु में वृद्धि करके या फिर इनमें फ्लेवर के जरिये स्वाद में बढ़ोत्तरी को किया जाता है। जिसके परिणामस्वरूप खाद्यान्नों की वहनीयता तथा संधारणीयता बढ़ जाती है।

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग में इस्तेमाल होने वाले कच्चे माल में कृषि उत्पाद प्रमुख हैं और इन उद्योगों द्वारा इनकी बेशी अच्छी कीमत पर भी की जाती है जिसके चलते ग्रामीण कृषक की कम आय सम्बन्धी समस्या का भी समाधान हो सकता है।

इसी प्रकार खाद्य प्रसंस्करण उद्योग द्वारा उत्पादन की अतिशय की स्थिति में भी उत्पादित वस्तुओं के

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

मूल्य को ज्यादा अवमूल्यित नहीं होने दिया जाता है जो कि आय संरक्षण का एक माध्यम बन जाता है।

इसी क्रम में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग द्वारा कान्ट्रैक्ट फार्मिंग, सरकारी कृषि को बढ़ावा दिया जाता है जोकि छोटी जोत की समस्या, कम उत्पादन की समस्या, कृषि में निवेश की अल्पता आदि मुद्दों के समाधान की भी क्षमता रखता है।

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग की माँग में विविधता के चलते शस्य प्रतिरूप में विविधता आयेगी जो कि मृदा की उपजाऊ क्षमता के लिए उचित होगा। तो वहीं विभिन्न फसलों की आय स्तर बढ़ने से तथा फसल की उचित कीमत प्राप्त होने से, इनकी MSP पर निर्भरता कम होगी। जिससे

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

चलते सरकार का राजकोषीय घाटा भी कम होगा।

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के अन्य लाभों में रोजगार सृजन, अर्थव्यवस्था में निवेश आदि शामिल हैं किन्तु भारत के ग्रामीण संकट के अन्य मुद्दे जैसे- मृदा का क्षरण होना, उर्वरकों का मँहगा होना, रासायनिक उर्वरकों का अत्यधिक प्रयोग, सिंचाई हेतु पर्याप्त साधनों का न होना, कृषि उत्पादन संबंधी ज्यादा जागरूकता का न होना, कृषि ऋण की समस्या आदि का समाधान खाद्य प्रसंस्करण उद्योग द्वारा सम्पूर्णता से नहीं किया जा सकता है।

इस प्रकार स्पष्ट है कि भारतीय ग्रामीण संकट बहुआयामी है तो इसके समाधान भी बहुआयामी होने चाहिए। खाद्य प्रसंस्करण उद्योग एक राहत भरा कदम अवश्य है किन्तु सम्पूर्ण समाधान उपलब्ध नहीं कराता है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

14. भारत में विमानन क्षेत्र बड़ी मात्रा में अप्रयुक्त है, परंतु यह विभिन्न मोर्चों पर कई चुनौतियों का सामना कर रहा है। भारत के विमानन क्षेत्र में उभरती चिंताओं के कारणों को अभिनिर्धारित/चिह्नित कीजिये और उनके निवारण हेतु कुछ उपाय सुझाइये। (250 शब्द) 15

The aviation sector in India remains largely untapped but faces many challenges on different fronts. Identify the reasons behind the brewing trouble in India's aviation sector and suggest some measures to redress the same. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

भारतीय विमानन क्षेत्र में हाल ही में उत्पन्न जेट एयरवेज का संकट तथा लम्बे समय से चले आ रहे एयर इंडिया के संकट ने एक बार पुनः विमानन क्षेत्र में उपलब्ध सम्भावनाओं के साथ-साथ इस क्षेत्र में विद्यमान चुनौतियों को भी चर्चा का विषय बना दिया।

वस्तुतः भारत विश्व की सबसे तेज गति से बढ़ती अर्थव्यवस्था है जिसका आकार लगभग 2.67 ट्रिलियन डॉलर है और इसी मात्रा से भारत के केवल विमानन क्षेत्र में ही नहीं अपितु अन्य क्षेत्रों में भी अत्यधिक संभावनाएं विद्यमान है।

विमानन क्षेत्र की

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

अप्रयुक्तता का अंदाजा इसी से लगता है कि भारत में हवाई यात्री आज भी बहुत कम संख्या में है तथा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डों की संख्या भी पर्याप्त नहीं हैं। आस्ट्रेलिया जैसे देश में अड्डे हमारे देश से यात्रियों से ज्यादा हवाई यात्रा करती हैं।

चुनौतियाँ: i) विमानन क्षेत्र की प्रमुख चुनौती इनकी परिचालन लागत का अत्यधिक होना।

ii) प्रतिस्पर्धा के चलते किराया कम रखना पड़ता है जिस वजह से यह लाभ नहीं प्राप्त कर पाते हैं।

iii) एयर टर्बाइन फ्यूल अत्यधिक कर के चलते बहुत महँगा पड़ता है जिस वजह से परिचालन लागत बढ़ जाती है

iv) प्रबन्धन के स्तर पर भ्रष्टाचार की प्रवृत्ति विद्यमान है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उपाय :- i) विमानन क्षेत्र से सम्बन्धित फ्यूल पर कर की मात्रा कम बनायी जाये।

ii) भ्रष्टाचार पर नियंत्रण हेतु कार्पोरेट गवर्नेंस सम्बन्धी उदय कोटक समिति के प्रावधानों को लागू किया जाये (जेट एयरवेज संकट)

iii) प्रतिस्पर्धा का स्तर स्वस्थ बनाया जाये तथा अनुचित तरीके से किराया कम न किया जाये।

iv) अनुपयोगी खर्चे जैसे - विलासी वस्तुएं एयर होस्टेसेस पर अनुचित खर्च आदि को नियंत्रित किया जाये (किंग फिशर एयरलाइन संकट)

इस प्रकार स्पष्ट है कि भारतीय विमानन क्षेत्र की अपार संभावनाओं का इस्तेमाल करने हेतु एक उचित नीति तथा संस्थागत ढांचे का उचित नियंत्रण आवश्यक है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

15. स्वस्थ भारत की परिकल्पना जन-स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने तथा उपचारात्मक दृष्टिकोण से सुरक्षात्मक की ओर स्थानांतरित होने का आह्वान करती है। समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिये। (250 शब्द) 15

The vision for a healthy India calls for prioritizing public health and shifting the approach from being curative to preventive. Critically analyse. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

किसी भी देश की प्रगति उस राष्ट्र की निवासी जनसंख्या की प्रगति पर निर्भर करती है और यदि जनसंख्या ही अस्वस्थ होगी तो प्रगति भी अधूरी तथा अपूर्ण होगी।

भारतीय जनसंख्या के स्वास्थ्य सुधार हेतु भारत सरकार द्वारा विभिन्न प्रकार के जन स्वास्थ्य कार्यक्रम लागू किये गये है जैसे कि जन आरोग्य योजना, स्वास्थ्य बीमा योजना, जन औषधि परियोजना आदि। इन सभी के द्वारा स्वास्थ्य क्षेत्र में अपेक्षित सुधार के प्रयास किये जा रहे है ताकि जन स्वास्थ्य को सुधारा जा सके।

वस्तुतः स्वस्थ भारत की परिकल्पना को साकार करने

Copyright – Drishti The Vision Foundation

हेतु स्वास्थ्य की उपचारात्मक नीति के बजाय सुरक्षात्मक नीति पर ज्यादा जोर देना चाहिए (क्योंकि उपचारात्मक नीति में बीमारी का इलाज किया जाता है जिससे अनावश्यक खर्च तो बढ़ता ही है साथ ही साथ शारीरिक नुकसान भी होता है।

वहीं दूसरी तरफ अगर सुरक्षात्मक रणनीति अपनायी गयी तो हम बीमारी को होने से पहले ही उसे रोक देंगे और इस हेतु किये गये उपायों में भी ज्यादा खर्च नहीं आता है तो वहीं शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य भी बेहतर रहता है।

इस वजह से स्वास्थ्य के क्षेत्र में शोध व अनुसंधान हेतु पूंजी भी बच जाती है तथा सरकारी राजकोष पर अधिक दबाव भी नहीं पड़ता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

किन्तु इसका दूसरा पक्ष यह भी है कि हमें केवल रक्षात्मक न होकर उपचारात्मक स्तर पर भी तैयारी करनी चाहिए क्योंकि कई बार सुरक्षा सम्भव नहीं होती है, वस्तुतः किसी नयी बीमारी के मामले में या फिर ऐसी बीमारी जो लक्षण प्रकट करने में समय लेती है या फिर प्रकृति में संक्रामक है उसके लिए सुरक्षात्मक दृष्टिकोण अपनाना मुश्किल होता है।

निष्कर्षतया यह स्पष्ट है कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में अपेक्षित सुधार हेतु दोनों प्रणालियों का महत्वपूर्ण स्थान है। यदि एक को चरण-1 मानोगे तो दूसरी चरण 2 है और स्वास्थ्य क्षेत्र में पूर्णता: इन दोनों चरणों के पूर्ण होने पर ही आयेगा।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

16. भारत में श्रम बल में महिलाओं की भागीदारी वैश्विक स्तर पर निम्नतर में से एक है। इसके पीछे विद्यमान सामाजिक व आर्थिक कारकों की पहचान कीजिये तथा उपचारात्मक उपाय सुझाइये। (250 शब्द) 15

The participation of women in the labour force in India is one of the lowest globally. Identify the social and economic factors behind this and suggest remedial measures. (250 words) 15

भारतीय श्रम बल में महिलाओं की भागीदारी के क्रम में विश्व बैंक के अनुसार यदि इस क्षेत्र में लैंगिक समानता आती है तो GDP में 27% तक की वृद्धि होगी। इस तथ्य से महिला श्रमबल भागीदारी का महत्व मालूम से समझा जा सकता है।

कारण:- i) भारतीय समाज पितृसत्तात्मक है जिसमें महिलाओं को घरेलू कार्यों हेतु ही उपयुक्त माना जाता है।

ii) भारतीय समाज में कामकाजी महिलाओं की सामाजिक स्वीकृति का न होना।

iii) घर के कार्य, मातृत्व का निर्वहन आदि जिम्मेदारियाँ तो घर के समस्त सदस्यों की देखभाल की जिम्मेदारी का होना।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

iv) इसी प्रकार आय असमानता अर्थात समान कार्य के लिए समान वेतन न मिलना भी महिलाओं को श्रम बल में भागीदारी हेतु हतोत्साहित करता है।

v) महिलाओं में शिक्षा की कमी के चलते अकुशलता का होना भी रोजगार पर दुर्लभ बना देता है।

vi) इसी प्रकार कार्यस्थल पर यौन-शोषण जैसी समस्याओं का पाया जाना।

उपचारात्मक उपाय :- i) वस्तुतः सामाजिक तौर पर महिलाओं के कार्य करने को लेकर सामाजिक स्वीकृति का निर्माण करना होगा।

ii) इसी तरह समान कार्य हेतु समान वेतन के प्रावधान को लागू करना होगा।

iii) घरेलू जिम्मेदारियों हेतु पुरुष व

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

महिला में आपसी सहयोग की जरूरत है।

iv) यौन शोषण से निपटने हेतु विशाखा निर्देशों का पालन तथा कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न अधिनियम का अनुपालन सुनिश्चित कराया जाना चाहिए।

v) महिला शिक्षा द्वारा उनको अपने अधिकारों के प्रति जागरूक बनाना चाहिए।

vi) इसी प्रकार कार्यस्थल पर लैंगिक भेदभाव को कम करने हेतु जागरूकता का प्रसार करना चाहिए।

वस्तुतः भारत में महिला श्रमबल भागीदारी में सुधार हो रहा है किन्तु यह दर अपेक्षाकृत धीमी है। एक रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय महिला श्रम भागीदारी चीन, अमेरिका जैसे राष्ट्रों की साथ ले भी कम है जिसमें सुधार करने की आवश्यकता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

17. प्लास्टिक अपशिष्ट के उत्पादन से पर्यावरण व मानव स्वास्थ्य के लिये गंभीर खतरा उत्पन्न होता है। इस संबंध में सरकार द्वारा किये गए प्रयासों पर प्रकाश डालिये तथा कुछ अतिरिक्त उपाय भी सुझाइये। (250 शब्द) 15

The generation of plastic waste poses a serious threat to the environment and human health. Highlight the initiatives taken by government in this regard and also suggest some additional measures. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

वर्ष 2018 में मनाये गये विश्व पर्यावरण दिवस का थीम → 'बीट प्लास्टिक पॉल्यूशन' था। जिसका मुख्य उद्देश्य प्लास्टिक अपशिष्ट को कम करना तथा इसके द्वारा पर्यावरण संरक्षण करना था।

* प्लास्टिक अपनी प्रकृति में अनिम्नीकरणीय होता है या फिर बहुत लम्बे समय में विघटित होता है, जिसके चलते इसके द्वारा मृदा की उपजाऊ क्षमता में कमी आती है तो जलीय जीवों या वन्य जीवों द्वारा इसके भक्षण से उनकी मृत्यु होती है। इसी प्रकार प्लास्टिक प्रदूषण खाद्य श्रृंखला तथा पेयजल में प्रवेश कर मानव स्वास्थ्य को भी नुकसान पहुँचा रहा है। यदि हम इसी

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

तरह प्लास्टिक का प्रयोग करते रहे तो 2050 तक समुद्र में मछलियों से ज्यादा प्लास्टिक पायी जायेगी।

सरकार द्वारा प्रयास:- i) सरकार द्वारा सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबन्ध लगाया गया है।

ii) सरकार ने एक निश्चित मोटाई से कम आकार की प्लास्टिक पर प्रतिबन्ध लगाया है ताकि यह आर्थिक तौर पर महँगी पड़े और इसका प्रयोग हतोत्साहित हो।

iii) प्लास्टिक अपशिष्ट निवारण अधिनियम के तहत पैकेजिंग आदि में प्रयुक्त प्लास्टिक के प्रयोग को प्रतिबन्धित किया है।

iv) प्लास्टिक की जगह पर अन्य जैव निम्नकरणीय पदार्थों से बने थैलों आदि के इस्तेमाल को बढ़ावा दिया जा रहा है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

v) जैव संश्लेषित रेशों द्वारा बनी प्लास्टिक के इस्तेमाल को बढ़ावा दिया जा रहा है।

अतिरिक्त उपाय :- i) लोगों के बीच जागरूकता का प्रसार करना होगा।

ii) प्लास्टिक से सम्बन्धित सौन्दर्य उत्पादों (माइक्रोबीड युक्त) को प्रतिबन्धित करना होगा।

iii) इसी प्रकार जब तक लोग प्लास्टिक प्रयोग के सम्बन्ध में खुद जिम्मेदार नहीं बनेंगे तब तक इसको नियंत्रित करना मुश्किल होगा।

अतः प्लास्टिक प्रदूषण के पर्यावरण तथा मानव स्वास्थ्य संबंधी खतरों की गंभीरता को देखते हुए इसके प्रयोग को तत्काल नियंत्रित करने की आवश्यकता है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

18. सरकार द्वारा समय-समय पर घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य (एम.एस.पी.) में वृद्धि का प्रभाव पहुँच एवं बुनियादी सुविधाओं में आने वाली बाधाओं के परिणामस्वरूप सीमित रहता है। समालोचनात्मक परीक्षण कीजिये। (250 शब्द) 15

The impact of Minimum Support Price (MSP) hikes announced periodically by government remains limited due to constraints in reach and infrastructure facilities. Critically examine. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

न्यूनतम समर्थन मूल्य के तहत सरकार द्वारा किसी फसल को आय सुरक्षा प्रदान की जाती है अर्थात् यदि उत्पादन के पश्चात फसल को बाजार में एक निश्चित स्तर से कम पर बेचना पड़े तो सरकार द्वारा उसे MSP पर खरीद लिया जाता है।

न्यूनतम समर्थन मूल्य लागू करने का मुख्य उद्देश्य किसानों को बाजार की अनियमितता से संरक्षित करते हुए उनको आय संरक्षण प्रदान करना था ताकि कृषि को पर्याप्त वृद्धि दर बने रहे और कृषकों को कृषि में निवेश हेतु पूँजी की आवश्यकता की भी पूर्ति होती रहे।

MSP की उद्घोषणा फसल

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

के बोने से शुरू की जाती है। न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा के बावजूद इसके प्रभाव सभी तक नहीं पहुँच पाते है क्योंकि

i) इसके सम्बन्ध में जागरूकता का अभाव है।

ii) प्रत्येक प्रकार की फसल को इसके तहत कवर नहीं किया गया है।

iii) आधारभूत अवसंरचना के अभाव के चलते किसानों की पहुँच सरकारी गोदामों तक सीमित मात्रा में है।

iv) इसी प्रकार फसल विशेष में MSP की मात्रा अत्यधिक होने के चलते शस्य प्रतिरूप भी बिगड़ा है।

वस्तुतः न्यूनतम समर्थन मूल्य निर्धारण में भी विवाद की स्थिति देखी जा सकती है। वस्तुतः स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट के अनुसार इसे लागत का (जिसमें परिवार का श्रम भी शामिल है) 105 गुना होना चाहिए

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

किन्तु अभी ऐसा नहीं है।

हालांकि दूसरी तरफ न्यूनतम समर्थन मूल्य द्वारा किसानों की आय का स्तर ऊँचा हुआ है और हरियाणा, उत्तरप्रदेश, पंजाब जैसे राज्यों में इन्हें हरित क्रान्ति के परिणामस्वरूप ज्यादा लाभ की प्राप्त हुआ है।

इसी प्रकार MSP द्वारा किसानों को नये बीज, आधुनिक मशीन, इंजेक्शन आदि खरीदने में भी आय सहायता मिली है जिसने कृषि के विकास में भी योगदान दिया है।

इस प्रकार स्पष्ट है कि न्यूनतम समर्थन मूल्य योजना विभिन्न प्रशासनिक, भौतिक, आर्थिक समस्याओं के चलते अपेक्षित तौर पर सफलता नहीं प्राप्त कर सकी है। स्वामीनाथन आयोग सम्बन्धी अनुशंसाओं को लागू कर इसमें सुधार किया जा सकता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

19. केवल कृषि विपणन की पहेली का समाधान करके भारतीय किसानों के लिये हरित क्रांति को आय क्रांति में परिवर्तित किया जा सकता है। विश्लेषण कीजिये। (250 शब्द) 15

Only by solving the riddle of agriculture marketing can the transition from green revolution to income revolution happen for Indian farmers. Analyze. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation